Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Regarding problems faced by the sugarcane growers and demand to set up ethanol plant in Jhanjharpur Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री रामप्रीत मंडल (**झंझारपुर**): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ ।

महोदय, मेरा संसदीय क्षेत्र झंझारपुर, जो कि मधुबनी जिले के अतंर्गत आता है । जहां ज्यादातर किसान अपने जीवन-यापन के लिए खेती पर ही निर्भर है । महोदय, गुलाम भारत में दरभंगा महाराज द्वारा मधुबनी जिला अंतर्गत सकरी, रैयाम और लौहट में तीन चीनी मिलें थीं ।

सबसे बड़ी बात यह है कि यह नेपाल से भी जुड़ा हुआ क्षेत्र है । यहां पर चीनी मिल चालू या स्थापित न होने के कारण किसानों को पड़ोसी देश नेपाल पर निर्यात व बिक्री के लिए निर्भर रहना पड़ता है । इसलिए इस क्षेत्र पर बहुत ध्यान देने की आवश्यकता है । यहां पर पिछले कई वर्षों से एथेनॉल प्लांट लगाए जाने की चर्चा जोरों से चली आ रही है, परन्तु अभी तक कोई सही समाधान नही निकला है । एथेनॉल का प्रयोग पर्यावरण की दृष्टि से भी लाभदायक है । भारत सरकार और बिहार सरकार भी आने वाले समय में देश में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को देखते हुए एथेनॉल के प्रयोग को बढ़ाने हेतु अग्रसर है ।

मान्यवर, चार वेदों में से तीन वेदों की रचना मिथिलांचल में हुई है । दर्शन की दृष्टि से भी यह क्षेत्र आगे रहा है और सांख्य दर्शन आदि का मूल मिथिलांचल रहा है । ऐसे क्षेत्र में गरीबी एक प्रश्न चिन्ह है ।

महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि सभी बिन्दुओं पर विचार करने की कृपा करें, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय में वृद्धि होगी व गन्ने की बिक्री के लिए किसानों को पड़ोसी देश पर निर्भर नही रहना पड़ेगा ।

धन्यवाद ।